अवध विहान

डिजिटल पत्रिका

अंक–: द्वात्रिंशत् पुष्प, अगस्त 2024

भारतीय शिक्षा समिति, उ.प्र.

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ

अवध—विहान

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
अ.भा. सहसंगठन मंत्री
विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. सुरेश कुमार सिंह जी
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार जी
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख, भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सहसम्पादक

श्रीमती निधि द्विवेदी
प्रधानाचार्य
स.बा.वि.म..इ.का., सरस्वती नगर
रायबरेली

श्रीमती शिप्रा बाजपेई
प्रधानाचार्य
स.ध.स.वि.बा.इ.का.
लखीमपुर–खीरी

विशेष सहयोग

जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
अवध प्रान्त

सम्पादक की कलम से –

जिस जिस प्रकार किसी सपने को हकीकत बनने में एक लंबा समय लगता है, एक लंबी कथा होती है । उसी प्रकार हमारी स्वतंत्रता के सपने को साकार होने की एक लंबी कथा है। इसकी शुरुआत यह समझ बनने से हुई कि अंग्रेजों के शोषण से भारत भूमि के सभी जन– समूह दरिद्र हुए हैं। स्वाभाविक रूप से स्वतंत्रता को देश के आर्थिक दोहन से मुक्ति और सभी जन समुदायों की खुशहाली के रूप में समझ गया। महात्मा गांधी के आगमन के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में जन भागीदारी की शुरुआत हुई । हजारों लोगों की प्रत्यक्ष सहभागिता ने वह जन चेतना पैदा की जो आगे चलकर हमारे लोकतंत्र का आधार बनी । जब आजादी दूर थी तभी स्वतंत्रता आंदोलन के नेता देश की भावी विकास नीति पर चर्चा कर रहे थे। जिसमें जन – समुदायों को तरक्की के विशेष अवसर देने का वादा किया गया था । उस समय भी महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के मतभेद जग जाहिर थे। परंतु रेखांकित करने का पहलू यह है कि प्रगति का एजेंडा ही स्वतंत्रता संग्राम का अभिन्न अंग बना और जब आजादी आई तो देश ने उसी एजेंडे को अपनाया । देश के बंटवारे, सांप्रदायिक उन्माद, बड़े पैमाने पर खून खराबे और आबादी की अदला–बदली की त्रासदी के बावजूद यह एजेंडा ओझल नहीं हुआ, बल्कि प्रगति के सपने ने तब उस दर्द से उभरने में भारत वासियों की मदद की। आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यह हम सबके लिए आत्म निरीक्षण का प्रश्न है कि, आजादी से जो बोध होता है, क्या वह सभी भारतवासियों को उपलब्ध है? ऐसे अवसरों पर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी हजारों करोड़ देशवासी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। जब तक ऐसा है स्वतंत्रता सेनानियों का सपना साकार नहीं होगा। तब तक उनके बलिदान हमारी अंतर्चेतना पर बोझ बना रहेगा । परंतु आज की राजनीतिक पार्टियां स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को चूर–चूर कर रही हैं। उन्हें अपनी कुर्सी प्यारी है देश से कोई मतलब नहीं है, और यदि ऐसा नहीं होता तो बांग्लादेश की स्थिति पर पूरा देश एक होता। यह देश की विडंबना है कि विदेशी मुद्दों पर भी इन्हें राजनीति ही नजर आती है और जहां पूरे देश को एक होना चाहिए वहां पर दलों में बट कर कमजोर हो रहे हैं । जिसका लाभ दूसरे देश उठाने का प्रयास करते हैं। अतः हम सब देशवासियों को एक बार पुनः एकत्र होकर प्रत्येक जन समुदायों को एक होकर एक सकारात्मक सोच वाली सरकार की उम्मीद करें । जो देश का कल्याण करे और सभी जन्म समुदायों के विकास को ध्यान में रखकर देश को आगे बढ़ाएं।

डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रधान सम्पादक
पं0 दीनदयाल उपाध्याय स.वि.म.इ.का.
लखीमपुर–खीरी

लखनऊ संकुल

क्षेत्रीय विज्ञान कार्यशाला सम्पन्न

लखनऊ, आज विज्ञान हमारे सामने चुनौती है । प्राचीन समय के उन्नत विज्ञान से हमें प्रतिस्पर्धा करनी है । यह बात आज पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री माननीय हेम चन्द्र जी ने क्षेत्रीय विज्ञान कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर कही। जब देश का शिक्षक अधिगम करता है तब देश आगे बढ़ता है। माडल ,प्रयोग ,प्रश्न मंच और अन्य वैज्ञानिक विधाओं के माध्यम से हमारा विद्यार्थी प्रयोग धर्मी बने यही विद्याभारती का प्रयास है और वह अपने देश भारत के लिए कार्य करे न कि अन्य देश में जाकर । सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू अलीगंज लखनऊ में विज्ञान कार्यशाला की वंदना सभा में मुख्य अतिथि आदरणीय हेम चन्द्र जी , प्रांत संगठन मंत्री श्रीमान रजनीश जी ,क्षेत्रीय विज्ञान संयोजक श्रीमान बांके बिहारी जी, प्रदेश निरीक्षक श्रीमान राम जी सिंह तथा विद्यालय

के सह प्रबंधक श्री राघवेन्द्र सिंह का विद्यालय के प्रधानाचार्य व क्षेत्रीय सह विज्ञान संयोजक श्री संतोष कुमार सिंह ने अंग वस्त्र देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। नन्ही सी गुड़िया आरोही ने नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया । कार्यशाला की प्रस्ताविकी क्षेत्रीय विज्ञान संयोजक श्री बांके बिहारी जी ने रखा । उन्होंने बताया कि 1999 से विद्या भारती ने विज्ञान मेला प्रारंभ किया परंतु इसका राष्ट्रीय स्वरूप 2003 में देखने को मिला । पहली कार्यशाला काशी में , दूसरी बलिया में और तीसरी यहां लखनऊ में हो रही है । कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक और लखनऊ विश्व विद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर राघवेंद्र सिंह ने समस्त अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार ज्ञापन किया । विज्ञान कार्यशाला के दूसरे दिन आज मुख्य अतिथि क्षेत्रीय संगठन मंत्री आदरणीय हेम चन्द्र जी का स्वागत फिजिक्स वाला के निदेशक तथा फिजिक्स–केमिस्ट्री के प्रोफेसर विद्यालय के पूर्व छात्र प्रसून सिंह ने भेंट देकर किया । फिजिक्स वाला की नोएडा हेड राजेश कुमार तथा लखनऊ हेड अभय प्रताप सिंह व अन्य वरिष्ठ शिक्षको का सम्मान आदरणीय हेमचंद्र जी तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री संतोष सिंह ने अंगवस्त्र भेंट कर किया । प्रसून सिंह ने नैनो टेक्नोलॉजी विषय पर अपने अनुभव को सभी विज्ञान प्रमुखों के समक्ष रखा । फिजिक्स वाला के सौजन्य से क्षेत्रीय संगठन मंत्री जी ने विद्यालय में अनेक पौधे लगाए । वंदना सत्र में विज्ञान के क्षेत्रीय संयोजक श्रीमान बांके बिहारी पांडेय जी ने **PPT** के माध्यम से विज्ञान मेला की नियमावली और प्रयोगों की विस्तृत चर्चा की । आए हुए सभी प्रतिभागियों ने विद्यालय लैब और कक्षाओं को देखा ।

गोल्ड मेडल प्राप्त किया

लखनऊ, गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर रायबरेली में आयोजित प्रांतीय खेल कूद प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मन्दिर सेक्टर क्यू के भईया–बहन वालीवाल , हॉकी तथा स्विमिंग में गोल्ड मेडल लेकर विद्यालय पहुंचे । विद्यालय के आदरणीय प्रबंधक डॉक्टर शैलेश मिश्र जी, पूर्व प्राचार्य श्रीमान रण वीर सिंह गौर तथा वर्तमान प्रधानाचार्य श्रीमान संतोष कुमार सिंह ने मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया ।प्रधानाचार्य श्रीमान संतोष सिंह ने मुख्य अतिथि का परिचय और स्वागत किया । प्रबंधक जी ने अंग वस्त्र भेंटकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया । यशश्वी प्रबंधक जी ने अपना आशीष देते हुए कहा कि हमारा विद्यालय शिक्षा में ,खेल में तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में नगर का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय हो गया है । इसी प्रकार आप सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचे यही हमारी शुभ कामना है। विद्यालय के खेल आचार्य प्रवेन्द्र कुमार सिंह ने सभी का आभार ज्ञापित किया तथा आचार्या श्रीमती प्रियंका सिंह ने मंच का संचालन किया ।

वृक्षारोपण किया गया

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मॉडल हाउस लखनऊ में वंदना स्थल पर वृक्षारोपण दिवस का कार्यक्रम मनाया गया स इस कार्यक्रम में हमारे विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान राम सागर तिवारी जी ने बताया कि वृक्षों का हमारे जीवन मे बहुत महत्व है। वृक्ष के बिना मानव ही नही अपितु जीव जंतुवो का जीना भी मुश्किल है। हम सभी लोगो को वृक्षों का बचाव करना बहुत जरूरी है। क्योकि पेडो से ही हमे आक्सीजन मिलता जो किसी भी जीव जन्तुओ के जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है इस कार्यक्रम में हमारे प्रधानाचार्य जी, आचार्य/ आचार्या जी एवं सभी भैया/ बहनों ने पौधा लगाया।

अयोध्या संकुल

कारगिल दिवस मनाया गया

अयोध्या, कारगिल विजय दिवस के रजत जयंती वर्ष में कारगिल विजय दिवस समारोह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नानकपुरा साकेत में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिटायर कैप्टन ओमप्रकाश शर्मा जी रहे ।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं प्रधानाचार्य जी के द्वारा मां शारदे के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ। अतिथि परिचय प्रधानाचार्य श्री विजय कुमार सिंह जी ने कराया । कार्यक्रम की प्रस्ताविकी एवं संचालन करते हुए आचार्य कृष्ण कुमार तिवारी जी ने कारगिल युद्ध से जुड़ी घटनाओं के बारे में अवगत कराया। विद्यालय के भैया व बहनों ने कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों एवं शहीदों के प्रति सम्मान करते हुए अपने ओजस्वी उ द् गार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि कैप्टन ओपी शर्मा जी ने छात्रों की प्रशंसा करते हुए कारगिल विजय दिवस पर विस्तृत प्रकाश डाला ।उन्होंने बताया कि भारतीय वीर सैनिकों ने विषम परिस्थिति में भी दुश्मन से टक्कर लेते हुए कारगिल की ऊंची चोटियों पर तिरंगा ध्वज फहराकर हिंदुस्तान को विजय दिलाई। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक श्री आशीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में कारगिल युद्ध से जुड़ी घटनाओं से संबंधित चित्रकला प्रतियोगिता भी कराई गई। पधारे हुए अतिथि महोदय के प्रति आभार श्रीमान प्रधानाचार्य जी ने ज्ञापित किया ।कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकों श्री अरुण जी ,अखिलेश जी, शिखर जी ,श्री रामसुंदर जी , अलका जी आरती जी, शीला जी ,अर्चना जी हर्षित जी, साक्षी जी, प्रियंका जी प्रीति जी, रेखा जी का अपार सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में कारगिल युद्ध से जुड़ी शहीदों के प्रति एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

नेत्र परीक्षण किया गया

शिवदयाल जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तुलसीनगर में दीनबंधु नेत्र चिकित्सालय के सौजन्य से विद्यालय के सभी भैया/बहनों, सहित संपूर्ण स्टाफ का नेत्र परीक्षण कराया गया। जिसमें चिकित्सालय के प्रबंध निदेशक डॉक्टर हनुमान प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में डॉ. शिवम, डॉ.उमाशंकर, मेडिकल सोशल वर्कर गौरीशंकर एवं विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ल, चिकित्सा प्रमुख आचार्य परमात्मा दीन के सहयोग से संपन्न हुआ । प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ल ने बताया कि नेत्र परीक्षण में विजन पावर, कैपेसिटी तथा आंखों से पानी गिरना, लाल होना,सूजन होना आदि की दवा के साथ–साथ आवश्यक होने पर चश्मा भी दिया गया।इस अवसर पर आचार्य लल्ला सिंह ,मुकेश तिवारी, राम जी, उर्मिला शुक्ला, ज्योति तिवारी, विभा तिवारी सीमा पांडे ,अरविंद शुक्ला घनश्याम सिंह, कृष्णानंद तिवारी, राम उजागर सहित सभी आचार्य परिवार उपस्थित रहे।

सीतापुर संकुल

छात्र संसद शपथ ग्रहण सम्पन्न

सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारी टोला बिसवां, सीतापुर के विद्यालय में शिशु भारती, छात्र संसद एवं कन्या भारती का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर के प्रतिष्ठित एवं सम्मानित डॉक्टर श्रीमान विमल गुप्ताजी रहे। आए हुए सभी अतिथियों का परिचय शिशुभारती प्रमुख आचार्य श्रीमान पुष्पेंद्र जी द्वारा कराया गया। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि जी द्वारा भैया/ बहनों को अनुशासन में रहते हुए अपने से बड़ों का सम्मान करना एवं समय से सभी काम पूर्ण करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान रामानुज चौरसिया जी द्वारा सभी भैया बहनों को शिशु भारती क्या है ? एवं उसका उद्देश्य क्याहै ? इस पर विस्तार से चयनित भैया / बहिनों को बताया गया । शिशु भारती प्रमुख जी द्वाराआए हुए सभी अतिथि महानुभावों का आभार ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ संपन्न हुआ।

कारगिल विजय दिवस धूमधाम से मनाया गया

सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारी टोला बिसवां सीतापुर के विद्यालय में मां शारदे की वंदना के पश्चात कारगिल विजय दिवस का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अपने विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्रीमान तोताराम पांडे जी ने बहुत ही विस्तार से कारगिल विजय के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान रामानुज चौरसिया जी के द्वारा भैया बहनों को कारगिल विजय क्या है और इसका महत्व क्या है। इस पर बहुत ही विस्तार से भैया बहनों को समझाया और बताया गया। इसके साथ–साथ देश हित में काम करने को प्रेरित किया गया । तन समर्पित, मन समर्पित, और यह जीवन समर्पित इस तरह का संदेश भैया बहनों को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ किया गया।

संस्कृति बोध परियोजना की बैठक सम्पन्न

आनन्दी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में संभाग स्तरीय संस्कृति बोध परियोजना की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें संस्कृति बोध परियोजना के अखिल भारतीय संयोजक मा. दुर्ग सिंह राजपुरोहित जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य राम निवास सिंह ने आये हुए अतिथियों का परिचय कराया। इस बैठक में संस्कृति ज्ञान परीक्षा के माध्यम से जन–जन तक पहुचाँ जाए इस पर विमर्श हुआ। इस बैठक में परीक्षा के क्षेत्रीय अधिकारी राजकुमार सिंह जी, जन शिक्षा के प्रदेश निरीक्षक श्री मिथिलेश जी, प्रांतीय प्रतिनिधि उत्तम सिंह व अन्य अधिकारी बंधु तथा सीतापुर संभाग के प्रधानाचार्य बंधु उपस्थित रहे।

लखीमपुर संकुल

राखी निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

विद्या भारती विद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज (यू.पी. बोर्ड) लखीमपुर में राखी निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें कक्षा 6 से 9 तक बहनों ने तथा कक्षा 6 से 8 तक भैयाओं ने भाग लिया। भैया बहनों ने कार्यशाला में राखी बनाना सीखा। भैया बहनों ने बहुत ही अच्छी और सुन्दर सुन्दर राखियों का निर्माण किया।

प्रफुल्ल चन्द्र राय का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड लखीमपुर खीरी में महान रसायनज्ञ,शिक्षाविद आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ विनयतोष गौतम(विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान) युवराज दत्त महाविद्यालय व प्रधानाचार्य अरविंद सिंह चौहान ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण,पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलन कर किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य जी ने अतिथि महोदय का परिचय कराया व अतिथि महोदय को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र देकर उनको सम्मानित किया। सप्ताहंत चलने वाले जयंती समारोह में प्रत्येक दिवस विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे प्रश्नमंच,निबंध,भाषण,स्लोगन, चित्रकला आदि का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा उपरोक्त प्रतियोगिताओं में प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहनों को पुरुस्कृत कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में बताया की आधुनिक भारत के इतिहास में आजादी की लड़ाई के नायक तो बहुत हैं, लेकिन 2 अगस्त को देश एक ऐसे नायक की जयंती मना रहा है जो देश और देशवासियों के लिए सेवा की एक अनूठी मिसाल बन गए थे। डॉक्टर प्रफुल्ल चंद्र रे देश के पहले पहले प्रोफसर या प्रथम भारतीय प्राध्यापक ही नहीं थे बल्कि उन्होंने ही देश में रसायन उद्योग की नींव डाली थी. वे एक वैज्ञानिक और उद्यमी होने के साथ साथ इतिहासकार, शिक्षक, शिक्षाविद, परोपकारी, आदि बहुत कुछ थे. उनकी सादगी और व्यक्तित्व से महात्मा गांधी भी बहुत प्रभावित थे. उन्हें पूरा विश्व भी रसायन शास्त्र की दुनिया में आदर स्वरूप देखता है और उन्हें भारत के रसायन शास्त्र का पिता भी कहा जाता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविन्द सिंह चौहान जी ने बताया की प्रफुल्ल चंद्र रे, जिन्हें ष्भारतीय रसायन विज्ञान के जनकष् के रूप में जाना जाता है, एक प्रमुख वैज्ञानिक, शिक्षक और उद्योगपति थे। उनके योगदानों में रसायन विज्ञान में आधुनिक भारतीय अनुसंधान की स्थापना,मरक्यूरस नाइट्राइट की खोज और बंगाल केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स की स्थापना शामिल है। रे की विरासत सामाजिक सुधार, राष्ट्रवाद और रसायन विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति तक फैली हुई है, जिसने उन्हें भारत के वैज्ञानिक और औद्योगिक विकास में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में मान्यता दिलाई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद सिंह चौहान जी ने मुख्य अतिथि व सभा में उपस्थित सभी भैया बहनों व आचार्य परिवार का आभार व्यक्त किया।

जीवन में लक्ष्य निर्धारण का महत्व समझें

अपने जीवन लक्ष्य के प्रति एकांतिक निष्ठा, अट्ट श्रद्धा, एवं संपूर्ण समर्पण ही उसकी प्राप्ति में सहायक होती है। याद कीजिए पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न, मिसाइलमैन डॉक्टर ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का यह प्रेरक कथन "सपने वे नहीं होते हैं जो नींद में देखे जाते हैं। सपने वह होते हैं जिन्हें पूरा होने से पहले नींद नहीं आती है। शिक्षा एक परिपूर्ण एवं वास्तविक मानव का निर्माण करती है। हमें संपूर्ण समाज के प्रति सहृदय, संवेदनशील बनती है। संपूर्ण समाज की वेदना के साथ एकाकार करती है। जीवन में अधिकाधिक धन कमा लेना, नश्वर सुख–सुविधाओं के साथ जुटा लेना व्यक्तिगत जीवन के स्वार्थ महत्वकांक्षाओं की पूर्ति, झूठ अहंकार की तुष्टि हमारी शिक्षा का कदापि लक्ष्य नहीं हो सकता है। शिक्षा समाज का एक महत्वपूर्ण ऋण है। हमारा चिंतन, हमारा दर्शन हमारा श्रेष्ठतक तत्व ज्ञान हमें निखिल ब्रह्मांड के समस्त जड़ चेतन से एकाकार करता है। प्रकृति के विविध उपादानों से हमारा एक सहज स्वाभाविक संबंध निरूपित करती है। शिक्षा बिंदु को सिंधु से जोड़ने का, व्यष्टि को समाष्टि से एकात्म करने का एक सशक्त एवं प्रभावी माध्यम भी है। संस्कार विहीन शिक्षा ही साक्षर को राक्षस बना देती है। इस राष्ट्र एवं समाज को मूर्खों की मूर्खता से कम ज्यादा पढ़े–लिखों की स्वार्थपरता, निजी महत्वाकांक्षाओं तथा झूठें अहंकार के टकराव ने ज्यादा क्षति पहुंचायी है। प्रकारांतर में हम यह भी कह सकते हैं दुष्टों की दुष्टता से अधित हम कथित सज्जनों की निष्क्रियता, असंगठन उनमें समायोजन का अभाव समाज के लिए भयावह एवं त्रासदी पूर्ण रहा। विद्या भारती के विद्यालयों का इतना ही निर्माण नहीं कहा जा सकता है कि वे कितने इंजीनियर, चिकित्सक एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अपने विद्यालयों से निर्माण करते हैं। आप हमारा लक्ष्य यह भी है कि हम भविष्य के कितने प्रोफेसर राजेंद्र सिंह, भाऊराव देवरस, नानाजी देशमुख,दत्तोपंत ठेगड़ी या एकनाथ रानाडे तैयार करते हैं। तभी हमारा राष्ट्र देवो भव, समाज देवो भव, नर सेवा, नारायण सेवा का स्वप्न एवं संकल्प सरकार हो पाएगा।

राजेश कुमार दीक्षित
समाज सेवी
लखीमपुर–खीरी

बहराइच संकुल

विज्ञान दिवस मनाया गया

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज माधवपुरी बहराइच में डॉक्टर प्रफुल्ल चंद्र राय जी की जयंती विज्ञान दिवस के रूप में बड़े ही उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नागेन्द्र कुमार प्राचार्य GIC तथा विशिष्ट अतिथि एवं निर्णायक के रूप श्री उमेश कुमार पाण्डेय जी प्रवक्ता भौतिक विज्ञान GIC ने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी श्री दिनेश त्रिपाठी जी एवं श्री करुणानंद जी ने प्रस्तुत की । विद्यालयके यशस्वी, कर्मयोगी एवं ऊर्जावान प्रधानाचार्य श्री रवि कुमार शुक्ल जी ने सभी अतिथि महानुभावों का परिचय कराया। कार्यक्रम में 80 भैया/बहिनों ने विभिन्न विधाओं में – *f* MODELS „ EXPERIMENT … CHART आदि में प्रतिभाग करके जीवन में विज्ञान के महत्व को बताने का प्रयास किया जिसने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथि महानुभावों का मन मोह लिया। विद्यालय को सफलता के शिखर तक पहुंचाने के लिए चिंतन करने वाले प्रबंधक माननीय कमलेश कुमार अग्रवाल जी ने सभी अतिथि महानुभावों आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में विज्ञान की शिक्षा हमें जीवन को बेहतर बनाने का तरीका सिखाती है पर बल देते हुए भैया/बहनों को सफलता के मूलमंत्र दिए। विशिष्ट अतिथि महोदय ने सभी सभी भैया/बहनों को इतनी अधिक संख्या में प्रतिभाग करने पर बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आलोक कुमार श्रीवास्तव जी, राजेंद्र कुमार मिश्र जी, राजेंद्र प्रसाद मिश्र जी, वेद प्रकाश मिश्र जी ,राज कुमार वर्मा जी,शिव शरण पाण्डेय जी,नीरज शुक्ल जी, व्यवस्था प्रमुख अनूप गुप्ता जी, विज्ञान प्रमुख जितेंद्र बाजपेयी जी, अभिषेक सिंहानिया जी ,ऋषि शंकर शर्मा जी,संदीप कनौजिया जी,सोनम तिवारी जी,अविनाश सिंह जी,कौशल त्रिपाठी जी,प्रीति सिंह,राम चरन शुक्ल जी, विजय अवस्थी जी ,लक्ष्मी पाण्डेय जी,योगेश रमन पाठक जी,अखिलेंद्र बाजपेई जी एवं समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

रायबरेली संकुल

कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम मनाया गया

गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर रायबरेली में आज कारगिल विजय दिवस मनाया गया। सोमेंद्र तिवारी ने मंच संचालन किया तथा कारगिल युद्ध और ऑपरेशन विजय की विजय गाथा की फिल्म छात्र एवम् छात्राओ को दिखाया गया। भैया द्वारा कविता सैनिकों की वीरता का बखान किया गया। धानाचार्य श्री श्रवण कुमार अवस्थी ने कारगिल के शहीदों को याद करते हुए भईया बहनों को कारगिल की विजय गाथा सुनाई । उन्होंने पाकिस्तान द्वारा धोखा दिए जाने का जिक्र करते हुए अपने भारतीय वीरों के शौर्य और पराक्रम की चर्चा करते किया । प्रधानाचार्य ने कारगिल की भौगोलिक स्थिति, दुरूह पहाड़ियों का वर्णन करते हुए जम्मू काश्मीर का इतिहास बताया।

शहीदों को दी श्रद्धाजंली

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ऊर्जा विहार ऊंचाहार में अमर शहीदों के याद में कारगिल विजय दिवस को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति सूबेदार श्री मदन बिहारी पांडेय एवं विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री बालकृष्ण सिंह जी के द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया। उसके बाद बहन रिचा शुभांगी एवं अन्य भैया बहनों के माध्यम से ओजस्वी भाषण तथा कारगिल विजय पर अभिनय भैया बहनों की माध्यम से किया गया । एवं कार्यक्रम की रूपरेखा बहन श्रद्धा रिचा एवं आचार्य अनिल कुमार जी के द्वारा सुंदर रूप से प्रस्तुत किया गया अंत में विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री बालकृष्ण जी का उद्‌बोधन भैया बहनों के लिए प्रेरणादायक बना ।

बाराबंकी संकुल

प्रान्तीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज लखपेड़ाबाग बाराबंकी में भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश अवध प्रांत के तत्वाधान में 35वीं प्रान्तीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन श्रीमान बेसिक शिक्षा अधिकारी बाराबंकी द्वारा किया गया। इसमें 13 संकुलो के 108 भैया व 29 बहनों ने प्रतिभाग किया।

विजेता टीमों का परिणाम इस प्रकार रहा–

बालक वर्ग–

बाल वर्ग (अण्डर 14)में– लखनऊ(अंक –35)

किशोर वर्ग (अण्डर 17)– लखीमपुर (अंक–22)

तरुण वर्ग(अण्डर–19)–उन्नाव (अंक–30)

बालिका वर्ग–

बाल वर्ग(अण्डर –14)–लखनऊ

किशोर वर्ग(अण्डर–17)–लखनऊ

तरुण वर्ग(अण्डर–19)– रायबरेली

उन्नाव संकुल

धूमधाम से मनाया गया कारगिल विजय दिवस

स0वि0म0इ0का0 गोपीनाथपुरम शुक्लागंज उन्नाव में भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र के संगठन मंत्री मा0हेमचन्द्र जी की गरिमामयी उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया कारगिल विजय दिवस। विद्यालय में प्रो0 राजेन्द्र कुमार उर्फ रज्जू भैया सभागार का उदघाटन मा0 संगठन मंत्री हेमचन्द्र जी के कर कमलों द्वारा हुआ ।इस अवसर पर अवध प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक श्री राम जी सिंह, सम्भाग निरीक्षक श्री सुरेश जी , 57 U-P- B-N- N-C-C- के सूबेदार परमजीत सिंह जी, हवलदार किरन गुरंग

जी, कैप्टन राहुल तिवारी जी ,अवकाश प्राप्त हवलदार देवकांत जी, हवलदार अरुण कुमार जी, हवलदार अवधेश कुमार तिवारी जी, हवलदार शिवकिशोर जी ,हवलदार बृज किशोर जी, हवलदार श्रीकांत त्रिवेदी जी, हवलदार अवधेश कुमार शुक्ला जी, हवलदार हरिओम जी, हवलदार सतीश शुक्ला जी, हवलदार प्रेमशंकर बाजपेयी जी, हवलदार ललित शुक्ला जी, ऑनरेरी फ्लाइंग ऑफिसर एस0पी0 दीक्षित जी, नायबसूबेदार सुरेश कुमार वर्मा जी,ऑनरेरी कैप्टन सी0एस0 सिंह जी उन्नाव संकुल के सभी प्रधानाचार्य व संकुल के सभी लगभग 202 आचार्य व आचार्या बहिनें उपस्थित रहे । मा0 संगठन मंत्री जी , प्रदेश निरीक्षक जी व सभी गणमान्य अतिथियों ने शहीदों के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किया व नमन कर श्रद्धाजंलि दी । इस अवसर पर ऑनरेरी फ्लाइंग ऑफिसर एस0पी0 दीक्षित जी ने जो कि कारगिल युद्ध मे अपनी वीरता का प्रदर्शन कर पाकिस्तानी सेना को उनकी औकात दिखाई , ने अपना अनुभव साझा किया । मा0 संगठन मंत्री श्री हेमचन्द्र जी जो कि उस समय जम्मू कश्मीर में ही थे ने अपना अनुभव साझा किया और हालातों से अवगत कराया । इस अवसर पर मंच पर उपस्थित सभी अवकाश प्राप्त सैनिकों का अंगवस्त्र व श्रीफल भेंट कर मा0 संगठन मंत्री जी के द्वारा सम्मानित किया गया। NCC के कैडेट्स के द्वारा एक कारगिल युद्ध का नाटकीय मंचन किया गया । विद्यालय के भैया बहिनों द्वारा एक हस्त लिखित पत्रिका ष्साहित्य सुधाष का संगठन मंत्री जी के द्वारा विमोचन भी किया गया। पत्रिका के प्रधान सम्पादक श्री शिव सिंह जी व सह सम्पादक से रविशंकर श्रीवास्तव जी को मा0 संगठन मंत्री जी के द्वारा सम्मानित किया गया । विद्यालय के प्रबन्धक श्री राकेश कुमार जी ने आये हुए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री रविशंकर श्रीवास्तव जी ने राष्ट्र गीत कराया और कार्यक्रम का समापन हुआ ।

आचार्य विकास वर्ग का आयोजन किया गया

स0वि0म0इ0का0 गोपीनाथपुरम शुक्लागंज उन्नाव में संकुल स्तरीय आचार्य विकास वर्ग का आयोजन किया गया जिसमें उदघाटन सत्र में भा0शि0स0 पूर्वी उत्तर प्रदेश के मा0 संगठन मंत्री हेमचन्द्र जी , अवध प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक श्री राम जी सिंह सीतापुर सम्भाग के सम्भाग निरीक्षक श्री सुरेश जी , विद्यालय के प्रबन्धक श्री राकेश जी , कोषाध्यक्ष श्री भूपेंद्र जी व विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री श्रवण कुमार सिंह जी ने माँ शारदे के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित किया व पुष्प अर्पित किया और वर्ग का शुभारंभ किया । विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री श्रवण कुमार सिंह जी ने सभी मंचस्थ अतिथियों का परिचय कराया तथा प्रबन्धक श्री राकेश कुमार जी ने अंगवस्त्र व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया । अपने उद्बोधनमे संगठन मंत्री जी ने विद्याभारती के प्रारम्भ से लेकर आज तक के ऐतिहासिक सफर के बारे में बताया । विद्या भारती की आवश्यकता क्यों हुई ,इसका क्या महत्व है और इसका सही संचालन किस प्रकार किया जा रहा है , आचार्य की इसमें क्या भूमिका है, पढ़ने वाले भैया बहिनों को भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा देंने की आवश्यकता पर विशेष ध्यान और आज समाज को साथ लेकर चलने पर विशेष रूप जोर दिया । प्रदेश निरीक्षक श्री राम जी सिंह जी छम्ब 2020 पर विशेष चर्चा की । इस अवसर पर विद्यालय की हस्तलिखित पत्रिका साहित्य सुधा का मा0 संगठन मंत्री जी ने विमोचन किया व इस पत्रिका के प्रधान संपादक श्री शिव सिंह व सह सम्पादक श्री रविशंकर श्रीवास्तव , पत्रिका सज्जा व लेखन श्री जगदम्मा प्रसाद आदि को सम्मानित किया । कार्यक्रम में संकुल के सभी विद्यालयों के लगभग 202 आचार्य व 6 प्रधानाचार्य समेत लगभग 210 लोग उपस्थित रहे ।कार्यक्रम के अंत में सम्भाग निरीक्षक श्री सुरेश जी ने सभी आगन्तुकों का आभार जताया । कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री रविशंकर श्रीवास्तव जी ने किया ।

समापन कार्यक्रम में उन्नाव विभाग के विभाग कार्यवाह श्री सुशील जी ने माँ सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित किया व पुष्प अर्पित किया । इस अवसर पर विद्यालय के प्रबन्धक श्री राकेश कुमार जी ,सम्भाग निरीक्षक श्री सुरेश जी व प्रधानाचार्य श्री श्रवण कुमार सिंह जी उपस्थित रहे व माँ शारदे के चित्र पर पुष्प अर्पित किया । अपने उद्बोधन में विभाग कार्यवाह जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संकल्पना पर अपने विचार रखे ।

उन्होंने बताया कि 1925 में हेडगेवार जी ने मोहिते के बाड़े में केवल 4 स्वयंसेवको के साथ मिलकर जो पौधा लगाया था वह आज एक वटवृक्ष का रूप ले चुका है जो विश्व का सबसे बड़ा और शक्तिशाली संगठन है । आज आवश्यकता है कि हम इसके माध्यम से एक राष्ट्रभक्त और संस्कार युक्त भारत का निर्माण कर सकें । विद्यालय के प्रबन्धक श्री राकेश कुमार जी ने सभी 202 आचार्यों व 6 प्रधानाचार्यों को भेंट देकर सम्मानित किया । विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री श्रवण कुमार सिंह जी ने सभी आगन्तुकों व विभाग कार्यवाह जी का आभार व्यक्त किया । विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री रविशंकर श्रीवास्तव जी ने कार्यक्रम का संचालन किया । अन्त में राष्ट्गीत के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ ।

हरदोई संकुल

पराक्रमी सैनिकों को याद किया

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर विष्णुपुरी हरदोई में वन्दना सभा में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पराक्रमी सैनिकों को याद किया गया। इस अवसर पर श्रीमान राहुल सिंह जी (अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष) आप 18 वर्ष भारतीय सेना में सेवा करने के बाद सेवानिवृत्त सैनिक है। सर्वप्रथम अतिथि महानुभाव द्वारा माँ सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन/ पुष्पार्चन कर माँ शारदे की वन्दना की गई। तत्पश्चात श्री सुशील आचार्य जी ने अतिथि परिचय कराया। अतिथि द्वारा अपनें अनुभव बताते हुए कारगिल युद्ध के विषय में भैया/बहनों को अवगत कराया। अन्त में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मान विनोद कुमार सिंह जी ने आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

अम्बेडकर नगर संकुल

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धाजंली

विद्या भारती विद्यालय जय बजरंग इंटरमीडिएट कॉलेज रामनगर अंबेडकर नगर में आज प्रातः कारगिल विजय दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लाश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अखिलेश त्रिपाठी वरिष्ठ पत्रकार अमर उजाला व विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय प्रधानाचार्य जी ने बताया कि भारत –पाकिस्तान के बीच 1999 में कारगिल का युद्ध हुआ जो लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई को उसका अंत हुआ ,जिसमें भारत की विजय हुई। कारगिल युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु यह दिवस मनाया जाता है ।आज का दिन देश के लिए शहीद हुए जवानों को सम्मान देने का एवं श्रद्धांजलि देने का है। कार्यक्रम में भैया बहनों ने भी चढ– बढ़कर हिस्सा लिया और देशभक्ति के गीत,भाषण, कारगिल युध्द से संबंधित क्विज, पोस्टर आदि के माध्यम से दिन को विशेष बना दिया। भैया बहनों को कारगिल युद्ध से संबंधित वीडियो भी दिखाया गया ।मुख्य अतिथि ने भैया बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल की लड़ाई को भारतीय सेना के द्वारा लड़ी गई सबसे कठिन लड़ाईयो में गिना जाता है। दुश्मन को खदेड़ते हुए भारतीय सेना ने देश की रक्षा की थी। अतः हम सभी को अपने देश एवं देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के प्रति अपना सम्मान प्रदर्शित करना चाहिए। किसी सैनिक की कुछ भावपूर्ण पंक्तियों को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि 'किसी गजरे की खुशबू को महकता छोड़ आया हूं, मेरी नन्ही सी चिड़िया को चहकता छोड़ आया हूं, मुझे छाती से अपने तू लगा लेना ये भारत मां, मैं अपनी मां की बाहों को तरसता छोड़ आया हूं।' कारगिल विजय दिवस की अशेष शुभकामनाएं। आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

संकुल स्तरीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

विद्या विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध विद्यालय का संकुल स्तरीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन विवेकानंद शिशु कुंज सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनटीपीसी टांडा अंबेडकर नगर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमान अंजनी कुमार वर्मा जी (अध्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति) ने सम्बोधित करते हुए कहा कि तन और मन से विद्यालय में अपनी कक्षा में उपस्थित रहना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान वीरेंद्र कुमार वर्मा जी ने आए हुए अतिथियों का परिचय कराया एवं स्वागत किया। संकुल के सभी प्रधानाचार्य उपस्थित रहे जिसमें संकुल प्रमुख प्रधानाचार्य श्रीमान राजेंद्र सिंह जी, श्रीमान दीपक चंदेल जी, श्रीमान राम तीरथ जी, श्रीमान नरसिंह नारायण यादव जी, श्रीमान शिव प्रसाद जी, श्रीमान संजीव जी, श्रीमान तेज प्रताप जी, श्रीमान अर्जुन जी, उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में 10 प्रधानाचार्य एवं 113 आचार्य बन्धु, तथा 62 आचार्या बहनें उपस्थित रहीं।

गोण्डा संकुल

अमर शहीदों को याद किया

सरस्वती विद्या मंदिर माधवपुरम बड़गांव गोंडा में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर वंदना सभा में पूर्व सैनिक सूबेदार बृजेश तिवारी जी को सम्मानित किया गया । श्री तिवारी जी ने कारगिल युद्ध के बारे में सभी भैया बहनों को विस्तार से बतायाऔर हम सभी को आशीर्वाद दिया । अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य जी ने अतिथि महोदय का आभार ज्ञापित किया।

बलरामपुर संकुल

हरियाली तीज पर वृक्षारोपण किया

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बलरामपुर में पर्यावरण हरियाली दिवस के अवसर पर श्री रणवीर जी नगर प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बलरामपुर, विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजेश नारायण सिंह एवं विनय सेन त्रिपाठी विज्ञान प्रमुख एवं भैया बहनों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अति महत्वपूर्ण तिथियां

माह सितम्बर 2024–

5 भाद्रपद शुक्ल द्वितीया	गुरूवार	डॉ. राधाकृष्णन जयन्ती, आचार्य दिवस कार्यक्रम
14 भाद्रपद शुक्ल एकादशी	शनिवार	हिन्दी दिवस (भाषण, निबन्ध लेखन वाद–विवाद प्रतियोगिता, अत्याक्षरी कार्यक्रम)
16 भाद्रपद शुक्ल त्रयोदशी	सोमवार	विश्व ओजोन दिवस, विश्वकर्मा जयन्ती कार्यक्रम
17 भाद्रपद कृष्ण चतुर्दशी	मंगलवार	विश्वकर्मा जयन्ती अवकाश
तृतीय सप्ताह		संकुल/जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं (विज्ञान, वैदिक गणित, संस्कृति ज्ञान एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं)
25 आश्विन कृष्ण अष्टमी	बुधवार	पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती कार्यक्रम
19 सितम्बर से 28 सितम्बर तक	गुरूवार–शनिवार	अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं
आश्विन कृष्ण द्वितीया से आश्विन कृष्ण एकादशी		

भारतीय शिक्षा समिति, उ.प्र.

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ